भारत सरकार

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 2686
दिनांक 24 मार्च, 2025

देश के सामरिक पेट्रोलियम रिजर्व का विस्तार

2686 # **श्री नीरज डांगी:**
श्रीमती रंजीत रंजन:
श्री अखिलेश प्रसाद सिंह:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश के सामरिक पेट्रोलियम रिजर्व (एसपीआर) की वर्तमान भंडारण क्षमता और वर्ष 2025 तक संगृहीत कच्चे तेल की मात्रा क्या है;
(ख) क्या सरकार ने ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने के लिए एसपीआर क्षमता का विस्तार करने की कोई योजना शुरू की है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) एसपीआर अवसंरचना के विस्तार में प्रस्तावित सार्वजनिक-निजी भागीदारी की स्थिति क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (ग): सरकार ने एक विशेष प्रयोजनार्थ कम्पनी, इण्डियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड (आईएसपीआरएल) के माध्यम से तीन स्थलों यथा, (i) विशाखापत्तनम (1.33 एमएमटी), (ii) मंगलुरू (1.5 एमएमटी) और (iii) पादुर (2.5 एमएमटी) में 5.33 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) की कुल क्षमता वाले कार्यनीतिक पेट्रोलियम भंडार (एसपीआर) सुविधाओं की स्थापना की है। कन्दराओं में उपलब्ध कच्चे तेल की मात्रा बाजार दशाओं के आधार पर बदलती रहती है। तथापि, वर्तमान में आईएसपीआरएल के पास कन्दराओं में लगभग 3.52 एमएमटी कच्चे तेल का भंडार उपलब्ध है।

जुलाई, 2021 में सरकार ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी आधार पर ओडिशा में चंडीखोल (4 एमएमटी) और कर्नाटक में पादुर (2.5 एमएमटी) में कुल 6.5 एमएमटी भंडारण क्षमता वाली 2 अतिरिक्त वाणिज्यिक-सह-कार्यनीतिक सुविधाओं की स्थापना को भी अनुमोदित किया था। सरकार और ओएमसीज, समय-समय पर तकनीकी और वाणिज्यिक व्यवहार्यता के आधार पर भंडारण क्षमता में बढ़ोत्तरी करने की संभावना का मूल्यांकन करती है।

****